



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 308] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 21, 1991/श्रावण 30, 1913
No. 308] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 21, 1991/SRAVANA 30, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 1991

वा. का. नि. 541(अ) :- केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908
(1908 का 15) की धारा 34, धारा 46 और धारा 47 के साथ पठित धारा 33 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह निदेश देती है कि भारत सरकार के

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 1040(अ) तारीख 5 दिसम्बर, 1989 का निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में से टिप्पण 8 का लोप किया जाएगा।

[फा. सं. पी. आर. 14012/43/90—पी जी]

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st August, 1991

G.S.R. 541(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 33 read with Sections 34, 46 and 47 of the Indian Ports Act, 1908, (15 of 1908) the Central Government hereby directs that the following amendments shall be made in the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. G.S.R. 1040(E) dated 5th December, 1989, namely :

In the Schedule to the said notification, Note 8 shall be omitted.

[F. No. PR 14012/43/90-PG]

सा. का. नि. 542(अ) :- केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के जल-भूतल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 904 (अ), तारीख 18 अक्टूबर, 1989 का निम्नलिखित संशोधन करनी है, अर्थात्] :—

उक्त अधिसूचना के परिशिष्ट में,—

(क) टिप्पण 6 के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पण रखा जाएगा, अर्थात्

“6. जलयान को उसकी अपनी सुविधा के लिए खींचने पर 19000 रु. का प्रभार उपगृहीत किया जाएगा। जब किसी टग का प्रयोग नहीं किया जाता है तब जलयान को उसकी अपनी सुविधा के लिए खींचने पर 7000 रु. का प्रभार उपगृहीत किया जाएगा। यदि जलयान का खींचा जाना किसी अन्य जलयान की सुविधा के लिए जरूरी है तो उस जलयान द्वारा प्रभार दिया जाएगा, जिसकी सुविधा के लिए जलयान खींचा गया है। यदि जलयान को पत्तन की सुविधा के लिए खींचा जाता है तो कोई प्रभार उपगृहीत नहीं किया जाएगा।”

(ख) इस प्रकार संशोधित टिप्पण 6 के पश्चात्, अंत में निम्नलिखित टिप्पण जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“7. यदि जलयान को उसकी अपनी सुविधा के लिए किसी अवकाश दिन/रविवार को खींचा जाता है तो 15 प्रतिशत अतिरिक्त अधिभार उद्गृहीत किया जाएगा”।

[फा. सं. पी. आर. 14012/43/90 - पी जी]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

G.S.R. 542(E).---In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of Section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. G.S.R. 904(E), dated the 18th October, 1989, namely :

In Appendix to the said notification,

(a) for Note, 6, the following Note shall be substituted, namely :

“6. A charge of Rs. 19,000 shall be levied for warping of vessels for their convenience. A charge of R. 7,000 shall be levied for warping of vessels for their convenience when no tug is used. If the warping is required for convenience of another vessel, the charges shall be payable by the vessel for whose convenience the warping is done. No charges shall be levied if warping is done for port convenience”.

(b) after Note 6 as amended, the following Note shall be added at the end, namely :

“7. If a Vessel's warping is carried out on a holiday/Sunday for her convenience, an additional 15 per cent surcharge shall be levied”.

[F. No. PR. 14012/43/90-PG]

ASHOK JOSHI, Jt. Secy.

